Roll No./रोल न._____

Writing anything except Roll Number on question paper will be deemed as an act of indulging in unfair means and action shall be taken as per rules.

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.Com./B.Sc./B.A B.ED./B.Sc.B.ED.SEMESTER-I (WINTER-2019)

BHN131 सामान्य हिन्दी

समय : 03 घंटे पूर्णांक : 80

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 8x2

(अ) "यह भी कुछ उनके नाम का ही प्रताप था की महावीर अपनी माँ के अनन्य भक्त थे| अजायबलाल भी अपनी माँ को प्यार करते ही होंगे| लेकिन वह शरीर से और फलतः मन से भी दुर्बल थे| महावीर अक्खड़ किसान थे, शरीर और मन दोनों से मज़बूत| शायद इसीलिए बाप ने अपनी कुछ साठ बीघे आराजी महावीर के ही नाम लिखवाई थी| क्योंकि जोरू और ज़मीन के बारे में मशहूर है की ये दोनों उसी आदमी के पास रहती है जिसका शरीर ताक़तवर और लाठी मज़बूत होती है|"

अथवा

"धर्म विश्वास पर पनपता है| जिस जनरेशन में मेरे बड़े भाई साहब पैदा हुए थे उसका विश्वास धर्म से उठ रहा था| मुहल्ले के हरेक घर में एक ना एक ऐसा जवान पैदा हो चुका था जो पुराणी मर्यादाओं और धर्म को ताक पर रख कर उच्छखल आचरण में रत रहा करता था| और घर वाले मारे मोह के परिवार के उस प्राणी का विरोध करने में असमर्थ थे| शास्त्रों में विधान है की कुल धर्म विरुद्ध आचरण करने वाले को सड़ी अंगुली की तरह काटकर समाज तन से अलग कर देना चाहिए, हम जब तक ऐसा करते रहे तब तक समाज का स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त था|"

(ब) "मुझे ठीक याद है, वसंत पंचमी के दिन 'चकल्लस' का पहला अंक निकला था| 'यह कइसि चकल्लस आई' शीर्षक से पहली कविता पढीस जी की थी| बाकी सारा मेटर नरोत्तम, रामविलास और मैंने मिल कर लिखा| प्रायः हर अंक का अधिकांश मेटर हम तीनों ही पूरा करते थे| कई उपनाम रख लिए थे| और खूब मज़े ले-लेकर लिखते थे| वे भी क्या मौज के दिन थे | रामविलास उन दिनों शायद एम.ए. के अंतिम वर्ष में थे|"

अथवा

हमारे बेचारे पुरखे न गरुड़ के रूप में आ सकते है, न मयूर के, न हंस के | उन्हें पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए काक बनकर ही अवतीर्ण होना पड़ता है| इतना ही नहीं हमारे दूरस्थ प्रियजनों को भी अपने आने का मधु सन्देश इनके कर्कश स्वर में ही देना पड़ता है| दूसरी ओर हम कौआ और कांव कांव करने को अवमानना के अर्थ में ही प्रयुक्त करते हैं|"

2. (अ) 'उग्र का जीवन कई प्रकार के तिक्त अनुभवों से पूर्ण रहा है|' इस कथन के आधार पर उग्र के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए| 8x1

अथवा

(ब) 'एकलव्य ने गुरु को अंगूठा दिखाया' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए?

3. (अ) 'गिल्लू' रेखाचित्र के आधार पर गिल्लू के प्रति लेखिका महादेवी वर्मा की आत्मीयता और उनके प्राणी-प्रेम को उद्घाटित कीजिए? 8x1

अथवा

(ब) 'प्रवास की डायरी: कुछ विशिष्ट पन्ने' में व्यक्त हरिवंशराय बच्चन के विचारों को स्पष्ट कीजिए|

4. निम्नलिखित शब्दों में से **<u>किन्हीं चार</u>** शब्दों का संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम लिखिए: 1x4

(i) परमार्थ (ii) परोपकार (iii) पवन (iv) दिगम्बर (v) नमस्ते (vi) नीरोग

5. निम्नलिखित शब्दों में से **<u>किन्हीं चार</u>** शब्दों का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए: 1x4

(i) घर-घर (ii) वन-गमन (iii) माता-पिता (iv) गजानन (v) त्रिरत्न (vi) नीलकमल

6. निम्नलिखित उपसर्ग के प्रयोग से दो-दो शब्द बनाइए: 1x4

(i) अति (ii) अनु (iii) उप (iv) प्र

7. निम्नलिखित में से **<u>किन्हीं चार</u>** तत्सम् शब्दों के तद्भव शब्द लिखिए: 1x4

(i) मनुष्य (ii) मातृ (iii) राजपुत्र (iv) भ्रातृ (v) मातुल (vi) मित्र

8. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए: 1x4

(i) वह जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो|

(ii) वह जो दिखाई न दे|

(iii) पलकों को बिना गिराये|

(iv) शीघ्र प्रसन्न होने वाला|

9. निम्नलिखित वाक्यों को पुनः शुद्ध करके लिखिए: 1x4

(i) मैं प्रातः काल के समय पढता हूँ|

(ii) सप्रमाण सहित उत्तर दीजिए|

(iii) वह दही जमा रही है|

(iv) मेरे मित्र की पत्नी विद्वान है|

10. निम्नलिखित लोकोक्ति का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए: 2x4

(i) अंधों में काना राजा|

(ii) अप भला जग भला|

(iii) गागर में सागर भरना|

(iv) घर की मुर्गी दाल बराबर|

11. देवनागरी लिपि की विशेषताएं बताइए? 8x1

12. (अ) नगर परिषद् के प्रशासक को एक पत्र लिखिए जिसमे बढ़ते हुए प्रदूषण की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए सफाई ना करने की शिकायत की गई हो| 8x1

अथवा

(ब) शासकीय अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जोधपुर की ओर से सड़क निर्माण हेतु 'निविदा' का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए|

.रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.A. B.Ed. SEMESTER-I (WINTER-2019)

BAHN111 प्राचीन हिन्दी काव्य-I

Time – Three Hours Maximum Marks – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग - अ

1. i 'रामचरित मानस' में कुल कितने खंड है? नामोल्लेख कीजिए|

   ii मलिक मोहम्मद जायसी किस काव्य-धारा के कवि माने जाते है?

   iii कबीर की भाषा की विशेषताएं लिखिए|

   iv मीराबाई की जन्मस्थली का नाम बताइए|

   v रामचरित मानस किस भाषा में लिखित है?

   vi कबीरदास के गुरु का नाम लिखिए|

   vii कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा है?

   viii अमीर ख़ुसरो की दो रचनाओं के नाम बताइए|

   ix मीरा बाई के गुरु का नाम लिखिए|

   x 'पृथ्वीराज रासो' को काव्य की किस विधा के अंतर्गत रखा जाता है?

भाग - ब

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(अ) श्रुति सेतु पालक राम तुम्ह जगदीस माया जान की|
जो सृजति जगु पालति हरति रुख पाई कृपानिधान की||
जो सहसीसु अहीसु महिधरु लखनु सचराचर धनी||
सुर काज धरि नरराज तनु चले दलन दलन खल निसिचर अनी||

(ब) अवसि नरेस बचन फुर करहू| पालहु प्रजा सोकु परिहरहू|
सुरपुर नृपु पाइहि परितोषु| तुम्ह कहुँ सुकृत सुजसु नहिं दोषू||
बेद बिदित संमत सबही का| जेहि पितु देह सो पावई टीका||
करहु राजु परिहरहु गलानी| मानहु मोर बचन हित जानी||

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(अ) सुरती ढोकुलो, लेज ल्यौ, मन रित ढोलन हार|
कवल कुँवा मैं प्रेम रस, पीवै बारंबार||
गंग जमुन उर अन्तरै, सहज सुनि ल्यौ घाट|
तहाँ कबीर म० रच्या, मुनि जन जोवै बाट||

अथवा

(ब) अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी| दूभर दुःख सो जाइ किमि कादी|
अब धनि देवस बिरह भा राती| जरै बिरह ज्यों दीपक बाती|
काँपा हिया जानवा सीऊ| तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ|
घर घर चीर रचा सब काहूँ| मोर रूप रंग लै गा नाहूँ|
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई| अबहूँ फिरै फिरै रंग सोई|
सियरि अगिनि बिरहै हिय जारा| सुलगि सुलगि दगधै मैं छारा|
यह दुख दगध न जानै कँतू| जोबन जरम करै भसमंतू|

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए:

(अ) अमीर खुसरो के काव्य की विशेषताएं|

अथवा

(ब) मीरा की भक्ति-भावना|

<u>भाग - स</u>

5. (अ) 'रामचरित मानस' काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए|

अथवा

(ब) तुलसीदास की भक्ति-भावना को सोदाहरण समझाइए|

6. (अ) पठित अंश के आधार पर जायसी के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए|

अथवा

(ब) कबीर के काव्य की प्रासंगिकता पर एक विस्तृत लेख लिखिए|

7. (अ) 'पृथ्वीराज रासो' का परिचय देते हुए रासो काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए|

अथवा

(ब) मीरा के विरह वर्णन पर विस्तृत लेख लिखिए|

रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.A. B.Ed. SEMESTER-I (WINTER-2019)

BAHN112 हिन्दी कथा साहित्य-I

Time – Three Hours Maximum Marks – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग - अ

1. i 'गुण्डा' कहानी के नायक की विशेषताएं बताइए|

   ii "मैं कहती हूँ तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते?" कथन किस कहानी से लिया गया है? यह कथन किसने और किससे कहा?

   iii 'पाजेब' कहानी में पाजेब कहाँ मिली?

   iv 'रोज' कहानी की मूल संवेदना सपष्ट कीजिए|

   v दिल्ली में एक की मौत की खबर लेखक को कहाँ से मिली?

   vi 'लाल पान की बेगम' किसे कहा गया है?

   vii विभाजन के उपरान्त भड़की साम्प्रदायिकता को साकार करती कहानी कौन सी है, कारण सहित बताइए|

   viii 'वापसी' कहानी में किस समस्या का चित्रण हुआ है?

   ix सुदर्शन का वास्तविक नाम बताइये तथा इनका जन्म कब और कहाँ हुआ था?

   x चन्द्रधर शर्मा गुलेरी किस युग के रचनाकार है? इनकी दो कहानियों के नाम बताइए|

भाग - ब

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

   (अ) उस पूरी बस्ती में चौधरी पीरबख्श ही पढ़े लिखे और सफ़ेदपोश थे| सिर्फ उनके ही घर ड्योढ़ी पर पर्दा था| सब लोग उन्हें चौधरी जी, मुंशी जी कहकर सलाम करते थे| उनके घर की औरतों को कभी किसी ने गली में नहीं देखा था| इंशा अल्लाह घर में औलाद थी तो वह भी लड़कियां| चार-पांच बरस की उम्र तक किसी काम- से बाहर निकलतीं और फिर घर की आबरू के ख्याल से उनका बाहर निकलना मुनासिब न था| पीरबख्श खुद ही मुस्कुराते हुए सुबह-शाम कमेटी के नल से घड़े भर लाते थे|

   अथवा

   (ब) मेरे मन में उस समय तरह-तरह के सिद्धांत आए| मैंने स्थिर किया की अपराध के प्रति करुणा ही होनी चाहिए,रोष का अधिकार नहीं है| प्रेम से ही अपराधवृति को जीता जा सकता | आतंक से दबाना ठीक नहीं है| बालक का स्वभाव कोमल होता है और सदा ही उस से स्नेह से व्यवहार करना चाहिए|

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(अ) गाड़ी गाँव से बाहर होकर धान के खेतों के बगल से जाने लगी| चांदनी,कार्तिक की ! ..... खेतों से धान के झरते फूलों की गंध आती है| बांस की झाड़ी में कहीं बुद्धि की लता फूली है| जंगी की पुतोहू ने एक बीडी सुलगाकर बिरजू के मुंह की ओर बढ़ाई| बिरजू की माँ को अचानक याद आई, चम्पिया,सुनरी,लरेना की बीवी और जंगी की पुतोहू,ये चारों ही तो गाँव में बैसकोप का गीत गाना जानती हैं| ....खूब !

अथवा

(ब) और जैसे ही अरथी मोड़ पर घुमती है, लोगों की भीड़ और कारों की कतार मुझे दिखाई देने लगती है| कुछ स्कूटर भी खड़े हैं| औरतों की भीड़ एक तरफ खड़ी है| उनकी बातों की ऊँची ध्वनियाँ सुनाई पड़ रही हैं| उनके खड़े होने की वही लचक है जो क्नॉट प्लेस में दिखाई पड़ती है| सभी के जुड़ों के स्टाइल अलग-अलग है| मर्दों की भीड़ से सिगरेट का धुंआ उठ-उठकर कुहरे में घुला जा रहा है और बात करती हुई औरतों के लाल-लाल होंठ और सफ़ेद दांत चमक रहे है और उनकी आँखों में एक गरूर है.....

4. निम्न लिखित मे से किन्ही एक पर टिप्पणी लिखिए|

(अ) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की कहानी की समीक्षा कीजिए|

अथवा

(ब) "मोहन राकेश की कहानियों में मध्यमवर्गीय चेतना का चित्रण हुआ है|" उक्त कथन की समीक्षा कीजिए|

<u>भाग - स</u>

5. (अ) 'पूस की रात' में भारतीय किसान की आर्थिक विपन्नता का चित्रण है| स्पष्ट कीजिए|

अथवा

(ब) 'पाजेब' कहानी के कथानक को अपने शब्दों में लिखिए|

6. (अ) कहानी के तत्वों के आधार पर 'लाल पान की बेगम' कहानी की विवेचना कीजिए|

अथवा

(ब) 'वापसी' कहानी पारिवारिक रिश्तों के बिखराव को दर्शाती है| इस कथन की तर्क सम्मत व्याख्या कीजिए|

7. (अ) सुदर्शन की कहानियों की शिल्पगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए|

अथवा

(ब) मोहन राकेश की कहानियों में निहित मूल उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए|

Roll No./रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./ B.A. B.Ed. SEMESTER-II (SUMMER-2019)

BAHN211 प्राचीन हिंदी काव्य-II

समय – तीन घंटा अधिकतम अंक – 80

Note:

1. भाग– अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं | प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग – ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग – स से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग – अ

1. i 'प्रेम की पीर का कवि' किसे कहा जाता है?

   ii सूरदास की दो रचनाओं के नाम लिखिए|

   iii 'बिहारी सतसई' में कुल कितने दोहे है?

   iv आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा रीतिकाल की समयावधि क्या बताई गयी है?

   v किन्हीं दो रीति मुक्त कवियों के नाम लिखिए|

   vi भूषण की दो रचनाओं के नाम लिखिए|

   vii "आयो घोष बड़ो व्यापारी"| उक्त पंक्तियां गोपियों ने किसके सम्बन्ध मे कही है?

   viii सूरदास किस काव्यधारा के कवि थे?

   ix "फिरी फिरी चितु उत ही रहतु टूटी लाज की लाव"| उक्त पंक्ति में लाव का क्या अर्थ है?

   x घनान्द रीतिकाल के किस काव्यधारा के कवि है?

भाग – ब

2. i अपनो स्वारथ को सब कोऊ।
   चुप करि रहौ, मधुप रस-लंपट! तुम देखे अरु वोऊ॥
   औरौ कछु संदेश कहन को कहि पण्यो किन सोऊ।
   लीन्हे फिरत जोग जुवतिन को बड़े सयाने दोऊ॥
   तब कत मोहन रास खिलाई जो पै ज्ञान हुतोऊ?
   अब हमारे जिय बैणे यह पद होनी होड सो होऊ॥
   मिटि गयो मान परेखो ऊधो हिरदये हतों सो होऊ।
   सूरदास प्रभु गोकुलनायक चित-चिंता अब खोऊ॥

   अथवा

   ii काहे को गोपीनाथ कहावत?
   जो पै मधुकर कहत हमारे गोकुल काहे न आवत?
   अपने की पहिचानि जानि कै हमहि कलंक लगावत|
   जो पै स्याम कूबरी रीझे सो किन नाम धरावत?
   ज्यों गजराज काज के ओसर औरे दसन दिखावत|

कहत सुनन को हम हैं ऊधो सूर अंत बिरमावत||

3. i झीनैं पट में झुलझुली झलकाते ओप अपार|
सुरतरु की मनु सिंधु मैं लसति सपल्लव डार||
कुच-गिरि चढ़ि, अति थकित है, चली डीठि मुँह-चाड़।
फिरि न टरी, परियै रही, गिरी चिबुक की गाड़||

अथवा

ii लाजनि लपेटी चितवनि भेद-भाय-भरी
लसति ललित लोल-चख-तिरछानि मैं।
छबि को सदन गोरो बदन, रुचिर भाल,
रस निचुरत मीठी मृदु मुसक्थाने मैं।
दसन-दमक फैलि हियै मोती-माल होति,
पिय सों लड़कि प्रेम-पगी बतरानि मैं।
आनन्द की निधि जगमगति छबीली बाल,
अंगनि अनंग-रंग दुरि मुरि जानि मैं।।

4. i भूषण के काव्य के शिल्प पक्ष पर प्रकाश डालिए|

अथवा

ii रहीम के काव्य की विशेषताएं लिखिए|

<u>भाग – स</u>

5. i 'भ्रमरगीत सार' के प्रसंग में गोपियों की वाग्वैदग्धता पर प्रकाश डालिए|

अथवा

ii "भ्रमरगीत सार निर्गुण पर सगुण की विजय दिखलाता है"| उक्त कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए|

6. i रीतिबद्ध कवि के रूप में बिहारी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए|

अथवा

ii घनानन्द के काव्य की विशेषताएं बताइए|

7. i रीतिकालीन कवि के रूप में देव के योगदान की चर्चा कीजिए|

अथवा

ii भूषण के काव्य में व्यक्त युगबोध का वर्णन कीजिए|

Roll No./रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.A. B.Ed. Semester-II (SUMMER-2019)

BAHN212 हिन्दी कथा साहित्य-II

समय – तीन घंटे अधिकतम अंक – 80

नोट**:**

1. भाग– अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं | प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग – ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग – स से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग – अ

1. i 'गबन' में रतन के पति का नाम क्या था?

   ii देवीदीन के बेटों की मृत्यु कैसे हुई थी?

   iii 'गबन' उपन्यास के प्रमुख पात्रों के नाम बताइए|

   iv रमानाथ का घर से भाग जाने का मुख्य कारण क्या था?

   v देवीदीन कौन था?

   vi प्रेमचंद्र के कोई चार उपन्यासों के नाम बताइए|

   vii जालपा ने मां से क्या मांगा?

   viii रांगेय राघव के किसी प्रसिद्ध कहानी का नाम बताइए|

   ix मार्कण्डेय की कहानियों की भाषा शैली कैसी रही है?

   x राजेंद्र यादव किस परम्परा के कथाकार है?

भाग – ब

2. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

   i रमा की आमदनी तेजी से बढ़ने लगी| आमदनी के साथ प्रभाव भी बढ़ा| सुखी क़लम घिसने वाले दफ्तर के बाबूओं को जब सिगरेट, पान, चाय या जलपान की इच्छा होती, तो रमा के पास चले आते, उस बहती गंगा में सभी हाथ धो सकते थे| सारे दफ्तर में रमा की सराहना होने लगी| पैसे को तो वह ठीकरा समझता है|

   अथवा

   ii जब तक हम स्त्री पुरुषों को अबाध रूप से अपना-अपना मानसिक विकास ना करने देंगे, हम अवनति की ओर खिसकते चले जाएंगे, बन्धनों से समाज का पैर ना बांधिए, उसके गले में क़ैद की ज़ंजीर न डालिए|

3. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

   i बुढिया के प्रति आज रमा के हृदय में असीम श्रद्धा जागृत हुई| कितना पावन धैर्य है, कितनी विशाल वत्सलता, जिसने लकड़ी के इन दो टुकड़ों को जीवन प्रदान कर दिया है| रमा ने जग्गो को माया और लोभ में डूबी हुई, पैसे पर जान देने वाली, कोमल भावों से सर्वथा विहीन समझ रखा था| आज उसे विदित हुआ कि उसका हृदय कितना स्नेहमय, कितना कोमल, कितना मनस्वी है|

अथवा

ii रमा को ऐसा जान पड़ा, पैरों में शक्ति ही नहीं शायद सब मन में मेरा हूलिया मिला रहे हैं| अब नहीं बच सकता| घर वालों को मेरे पकड़े जाने की खबर मिलगी तो कितने लज्जित होंगे, जालपा तो रो-रोकर प्राण ही दे देगी| पांच साल से कम सजा न होगी| आज इस जीवन का अंत हो रहा है|

4. i श्री रांगेय राघव के व्यक्तित्व व कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए|

अथवा

ii मार्कण्डेय की कहानियों में ग्रामीण वर्ग संघर्ष पर प्रकाश डालिए|

<u>भाग – स</u>

5. i 'गबन' उपन्यास की समस्याओं पर प्रकाश डालिए|

अथवा

ii 'गबन' उपन्यास के आधार पर प्रेमचंद की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए|

6. i रमानाथ के चरित्र-चित्रण की समीक्षा कीजिए|

अथवा

ii ज़ोहरा के चरित्र-चित्रण की व्याख्या कीजिए|

7. i राजेंद्र यादव की कहानियों के शिल्प की विशेषताओं का विवेचन कीजिए|

अथवा

ii मार्कण्डेय की प्रसिद्ध कहानियों में से किसी एक का मूल कथ्य संक्षेप में चित्रित कीजिए|

Roll No./रोल न._____

Writing anything except Roll Number on question paper will be deemed as an act of indulging in unfair means and action shall be taken as per rules.

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.A. B.Ed. SEMESTER-III (WINTER-2019)

BAHN311 हिन्दी नाटक निबन्ध तथा स्फुट गद्य विधाएँ-I

Time – Three Hours | Maximum Marks – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग - अ

1. i दीपदान एकांकी का मूल उद्देश्य क्या है?

   ii ऊसर एकांकी के शीर्षक का क्या अभिप्राय है?

   iii वापसी एकांकी के किन्ही चार पात्रों के नाम लिखिए|

   iv शुक्ल जी के अनुसार श्रद्धा क्या है?

   v 'जिस पद पर आप आरूढ़ हुए वह आपका मौरूसी नहीं, नदी नॉव संयोग की भाँती है|' उक्त पंक्ति किस निबंध से सम्बंधित है?

   vi अशोक के फूल निबंध के रचनाकार कौन है?

   vii 'अरे राम राम पर्व के दिन कौन चर्चा चलाते हो! हम तो जानते थे की तुम ही मनहूस हो, पर तुम्हारे पास बैठे सो भी नसूढिया हो जाये|' उक्त पंक्ति किस निबंध से उद्धृत की है तथा उसके निबंधकार कौन है?

   viii 'सच्ची वीरता' निबंध किसने लिखा है?

   ix 'जीप पर सवार इल्लियाँ' किसकी रचना है?

   x रामवृक्ष बेनीपुरी के दो निबंध संग्रहों के नाम लिखिए|

भाग - ब

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

   (अ) एक बिल्कुल दूसरे ही माहौल में मैं उनको देख रहा हूँ| उन्होंने कहा था हम दोस्त हैं| लेकिन आज तो हम दुश्मन है| सच तो यह है की साथ रहते थे तब भी दुश्मन माने जाते थे ; अलग है तब भी दुश्मन हैं|

   अथवा

   (ब) पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी, बोझ ! और नदी बनों तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ, पत्थर भी अपने सर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे|

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(अ) उस राह पर तुलसी और उनके मानस के नाम पर बड़े-बड़े तमाशे होंगे, फुलझड़ियाँ दगेंगी, सैर सपाटे होंगे, पर वह राह ढँकी रह जाएगी, लेकिन चक्की का स्वर, श्रम का स्वर ढलती रात में भीगती रात में, अनसोये वात्सल्य का स्वर राह तलाशता रहेगा-किस ओर राम मुड़े होंगे, बारिश से बचने के लिए? किस ओर? किस ओर? बता दो सखी|

अथवा

(ब) संसार में मनुष्य मात्र की समान वृत्ति कभी नहीं हो सकती| इस बात को भूलकर जो उपदेश दिए जाया करते हैं वे पाखण्ड के अंतर्गत आते है| वृत्तियों की भिन्नता के बीच से जो मार्ग निकल सकेगा वही लोक रक्षा का मार्ग होगा- वही धर्म का चलता हुआ मार्ग होगा|

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए|

(अ) शरद जोशी की व्यंग्य लेखन कला|

अथवा

(ब) सरदार पूर्णसिंह के निबंधों की विशेषताएं|

<u>भाग - स</u>

5. (अ) एकांकी के तत्वों के आधार पर दीपदान एकांकी की समीक्षा कीजिए|

अथवा

(ब) वापसी एकांकी के आधार पर 'असगर' का चरित्र चित्रण कीजिए|

6. (अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषताओं को प्रकट करते हुए 'अशोक के फूल' निबन्ध की समीक्षा कीजिए|

अथवा

(ब) 'राम भीगे तो भीगें,राम के उत्कर्ष की कल्पना न भीगे' उक्त कथन के आधार पर 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की समीक्षा कीजिए|

7. (अ) रामवृक्ष बेनीपुरी के गद्य में योगदान को लिखिए|

अथवा

(ब) सरदार पूर्णसिंह के साहित्यिक योगदान का आंकलन कीजिए|

Roll No./रोल न._____

Writing anything except Roll Number on question paper will be deemed as an act of indulging in unfair means and action shall be taken as per rules.

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.A. B.Ed. SEMESTER-III (WINTER-2019)

BAHN312 हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास-I

Time – Three Hours Maximum Marks – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

<u>भाग - अ</u>

1. i 'हिंदी' शब्द की व्युत्पत्ति कैसे हुई?

   ii हिंदी भाषा अपभ्रंश भाषा के किस रूप से विकसित हुई?

   iii नाथ सम्प्रदाय की स्थापना किसने की थी?

   iv हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन का सर्वप्रथम प्रयास किसने किया था?

   v खड़ी बोली के साहित्यिक लक्षण सर्व प्रथम किस कवि की रचना में मिलते है?

   vi विद्यापति की चार साहित्यिक कृतियों के नाम लिखिए?

   vii वल्लभाचार्य के दार्शनिक सिद्धांत का नाम बताइए|

   viii भक्ति की दो प्रमुख धाराएं कौन सी है?

   ix संत काव्य का प्रमुख रस क्या है?

   x मलिक मोहम्मद जायसी कि चार रचनाओं के नाम लिखिए|

<u>भाग - ब</u>

2. (अ) नाथ साहित्य पर परिचयात्मक टिप्पणी लिखिए|

   अथवा

   (ब) सिद्ध साहित्य का परिचय दीजिए|

3. (अ) दक्खिनी हिंदी एवं हिन्दुस्तानी के स्वरुप पर प्रकाश डालिए?

   अथवा

   (ब) देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय देते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

4. (अ) निर्गुण भक्ति के स्वरुप तथा उसके मूल तत्वों का परिचय दीजिये|

अथवा

(ब) भ्रमर गीत को ध्वनि काव्य क्यों कहा जाता है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए|

<u>भाग - स</u>

5. (अ) "भक्ति काल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है"| इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए|

अथवा

(ब) संत साहित्य का परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

6. (अ) हिंदी के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय दीजिए|

अथवा

(ब) अपभ्रंश भाषा का सामान्य परिचय देते हुए उसके प्रमुख भेद बताइए|

7. (अ) सूफ़ी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएँ बताइए|

अथवा

(ब) कबीर एवं जायसी की रहस्यवाद की तुलना करते हुए इनके वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए|

रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A. / B.A. B.Ed. SEMESTER-IV (SUMMER-2019)

BAHN411 हिंदी नाटक निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएं-II

समय – तीन घंटा अधिकतम अंक – 80

नोट:

1. भाग– अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं | प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग – ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग – स से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग – अ

1. i "कवि की व्यक्तिगत रचना देशहित के सामने कुछ नही है"| यह किस एकांकी का मूल भाव है तथा उसके लेखक कौन है?

   ii 'जोंक' एकांकी के किन्ही चार पात्रों के नाम लिखिए|

   iii 'आत्मदान' एकांकी में लेखक ने सुखी गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र क्या माना है?

   iv 'अजातशत्रु' में उल्लेखित प्राचीन चार राष्ट्रों के नाम लिखिए|

   v 'अजातशत्रु' नाटक में 'बंधुल' और 'मल्लिका' कौन है? दोनों में क्या सम्बन्ध है?

   vi 'अजातशत्रु' नाटक के आधार पर गौतम बुद्ध से प्रतिद्वंदिता रखने वाले भिक्षु का नामोल्लेख कीजिए|

   vii बिबंसार कहाँ का सम्राट था?

   viii 'नैषधचरित चर्चा' किसकी पहली आलोचना पुस्तक है?

   ix राहुल सांकृत्यायन द्वारा रचित तीन उपन्यासों के नाम लिखिए|

   x भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के निबंधों की दो विशेषताएं लिखिए|

भाग – ब

2. **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

   i तुम्हें समाज चाहिए था, वह तुमने आग्रह करके ले लिया| अब तुम्हें मुझसे क्या शिकायत हो सकती है?
   मैं भी तो मनुष्य हूँ| मुझे भी मनोरंजन चाहिए| मैंने अपना रास्ता निकाल लिया| जीवन केवल भार धोने के लिए नहीं है| उसे रस भी चाहिए| उसे चहल पहल हंसी-खुशी, प्रेम का आदान प्रदान चाहिए|

   अथवा

   ii कविता तुम्हारें सूने दिलों में संगीत भरती है| स्त्री भी तुम्हारे ऊबे हुए मन को बहलाती है|
   पुरूष जब जीवन की सूनी चट्टानों पर चढ़ता चढ़ता थक जाता है, तब सोचता है चलो थोडा मन बहलाव कर लें|

3. **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

   i संसारी को त्याग, तितिक्षा या विराग का पथिक होने के लिए पहला और सहज साधन है| पुत्र को समस्त अधिकार देकर वीतराग हो जाने से असंतोष नहीं होता, क्योंकि मनुष्य अपने ही आत्मा का भोग उसे समझता है|

अथवा

ii वीर ह्रदय युद्ध का नाम ही सुनकर नाच उठता है| शक्तिशाली भुजदंड फड़कने लगते है| भला मेरे रोकने से वे रुक सकते थे! कठोर कर्म पथ में अपने स्वामी के पैरों तले कंटक भी मैं नहीं होना चाहती| वह मेरे अनुराग; सुहाग की वस्तु है; फिर भी उनका कोई स्वंतत्र अस्तित्व भी है| जो हमारी श्रृंगार मंजूषा में बंद करके नहीं रखा जा सकता| महान ह्रदय को केवल विलास की मदिरा पिलाकर मोह लेना ही कर्तव्य नहीं है|

4. i नाटक लेखन के क्षेत्र में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के योगदान पर टिप्पणी लिखिए|

अथवा

ii राहुल सांकृत्यायन के साहित्यिक यात्रा का परिचय दीजिए|

<u>भाग – स</u>

5. i एकांकी के तत्वों के आधार पर 'भोर का तारा' एकांकी की विवेचना कीजिए|

अथवा

ii 'जोंक' प्रहसन के आधार पर बनवारी का चरित्र चित्रण कीजिए|

6. i "प्रसाद के नाटक में इतिहास एवं कल्पना का मणिकांचन समन्वय है"| इस कथन के आधार पर अजात शत्रु नाटक का मूल्यांकन कीजिए|

अथवा

. ii सम्राट बिबंसार के चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए|

7. i हिन्दी साहित्य में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को रेखांकित कीजिए|

अथवा

ii "हिन्दी नए चाल में ढली" के संदर्भ में भारतेंदु हरिश्चन्द्र के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट कीजिए|

Roll No./रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./ B.A.B. Ed. Semester-IV (SUMMER-2019)

BAHN412 हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास-II

समय– तीन घंटा अधिकतम अंक – 80

नोट:

1. भाग– अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं | प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग – ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग – स से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

<u>भाग – अ</u>

1. i राष्ट्र भाषा से क्या तात्पर्य है?
   ii तत्सम शब्द किसे कहते हैं?
   iii देवनागरी लिपि की दो विशेषताएँ बताइए|
   iv रीतिकाल को 'अलंकृत काल' किसने कहा है?
   v रमा शंकर शुक्ला 'रसाल' ने रीतिकाल को क्या नाम दिया?
   vi रीतिमुक्त कवियों के नाम बताइए|
   vii भारतेंदु मंडल के कवियों का नामोल्लेख कीजिए|
   viii द्विवेदी युग के प्रमुख पत्रिका का नाम बताइए तथा इसका प्रकाशन वर्ष भी बताइए|
   ix 'प्रयोगवाद' का समय बताते हुए इसके प्रवर्तक कवि का नामोल्लेख कीजिए|
   x प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब और कहां हुई?

<u>भाग – ब</u>

2. i सम्पर्क भाषा के महत्व पर विचार कीजिए|
   अथवा
   ii 'देशज शब्दों' से क्या तात्पर्य है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए|

3. i 'रीतिकाल' के नामकरण पर विभिन्न विद्वानों के विचारों पर प्रकाश डालिए|
   अथवा
   ii रीतिबद्ध काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए|

4. i भारतेन्दु युग की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए|
   अथवा
   ii प्रगतिवादी काव्य की मूल स्वर पर विचार कीजिए|

<u>भाग – स</u>

5. i 'देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक लिपि है' - इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं? विस्तार पूर्वक अपना मत स्पष्ट कीजिए|

अथवा

ii हिंदी भाषा के विविध रूप कौन-कौन से हैं? स्पष्ट कीजिए|

6. i रीतिबद्ध और रीतिमुक्त कवियों और उनकी कविताओं के अंतर को स्पष्ट कीजिए|

अथवा

ii 'रीतिकाल' की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए|

7. i 'छायावाद' की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विस्तार पूर्वक विचार कीजिए|

अथवा

ii 'नई कविता' की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण विचार कीजिए|

Roll No./रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A. Semester-V (WINTER-2018)

BAHN511 अर्वाचीन हिन्दी काव्य-I

Time – Three Hours Maximum Marks – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग - अ

1. i "कैकेयी अनुपात" किस काव्य कृति से लिया गया है?

   ii "अरुण यह मधुमय देश हमारा" किस कवि की रचना है?

   iii निरालाजी की प्रकृति चित्रण की दो विशेषताएं बतलाइए|

   iv "आँसू" कविता का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

   v "जागो फिर एक बार" कविता में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए|

   vi छायावाद के प्रमुख चार कवियों का नामोल्लेख कीजिए|

   vii खडी बोली का प्रथम महाकाव्य किसे माना जाता है?

   viii महादेवी वर्मा की कोई दो काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए|

   ix 'साकेत' महाकाव्य के लेखक कौन है?

   x जयशंकर प्रसाद के महाकाव्य का नाम बताइए|

भाग - ब

2. पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(अ) "क्या कर सकती थी मेरी मंथरा दासी,
मेरा ही मन रह सका ना निज विश्वासी।
जल पंजर-गत अब अधीर, अभागे,
ये ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे।
पर था केवल क्या ज्वलित भाव ही मन में?
क्या शेष बचा था कुछ न और इस जन में?
कुछ मूल्य नहीं वात्सल्य मात्र, क्या तेरा?
पर आज अन्य सा हुआ वत्स भी मेरा|

अथवा

(ब) सिद्धि-मार्ग की बाधा नारी|
फिर उसकी क्या गति है?
पर उनसे पूछूं क्या,
जिनको मुझसे आज विरति है|
अर्द्ध विश्व में व्याप्त शुभाशुभ,
मेरी भी कुछ मति है|
मैं भी नहीं अनाथ जगत में,
मेरा भी प्रभु पति है|

3. पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(अ) विजन-वन-वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-
स्नेह-स्वप्न-मग्न-
अमल-कोमल-तनु तरुणी
जुही की कली,
दृग बन्द किये, शिथिल, पत्रांक में|
वासंती निशा थी;
विरह-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।

अथवा

(ब) ले चल वहाँ भुलावा देकर,
मेरे नाविक! धीरे-धीरे।
जिस निर्जन मे सागर लहरी।
अम्बर के कानों में गहरी
निश्छल प्रेम-कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए:

(अ) महादेवी की काव्य भाषा|

अथवा

(ब) माखन लाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व व कृतित्व परिचय|

<u>भाग - स</u>

5. (अ) "मैथिलीशरण गुप्त ने कैकेई अनुताप में अपराधी नारी की मनोदशा का चित्रण संवेदना के स्तर पर किया है"| इस कथन का सोदाहरण समीक्षा कीजिए|

अथवा

(ब) "उर्मिला" काव्य में निहित वेदना भाव का सोदाहरण वर्णन कीजिए|

6. (अ) "आंसू में लौकिक, प्रेम का ही वर्णन है, तथापि प्रसाद ने विरह-व्यथा का इतना विस्तार किया है की हमें उसमे आध्यात्मिक प्रेम के संकेत मिलते है"| इस कथन पर उदाहरण सहित अपने विचार प्रकट कीजिए|

अथवा

(ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की "भिक्षुक" कविता में निहित वेदना को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए|

7. (अ) महादेवी के काव्य में निहित "रहस्यवाद" को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए|

अथवा

(ब) अयोध्यासिंह उपाध्याय "हरिऔन्ध" की काव्य कृतियों के आधार पर संक्षेप में उनकी काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए|

Roll No./रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A./B.A. B.Ed. SEMESTER-V (WINTER-2019)

BAHN512 काव्यांग विवेचन एवं हिंदी गद्य विधाओं का स्वरुप-I

Time – Three Hours Maximum Marks – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(अ) अथवा (ब)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग - अ

1. i काव्य हेतु से क्या तात्पर्य है?

   ii आचार्य रुद्रट ने प्रतिभा को किस नाम से अभिहित किया है?

   iii आचार्य मम्मट ने कितने काव्य प्रयोजन बताए हैं, उनके नाम लिखिए|

   iv श्रृंगार रस के भेदों के नाम लिखिए|

   v अनुभाव के प्रकारों का उल्लेख कीजिए|

   vi विभाव किसे कहते है?

   vii उत्प्रेक्षा अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए|

   viii 'गण' की परिभाषा लिखते हुए उसके भेदों के नाम बताइए|

   ix मात्रिक छंद किसे कहते है?

   x 'दोहा' छंद के लक्षण लिखिए|

भाग - ब

2. (अ) काव्य प्रयोजनों को समझाइए|

   अथवा

   (ब) काव्य हेतुओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए|

3. (अ) अनुप्रास अलंकार और यमक अलंकार में अंतर स्पष्ट कीजिए|

   अथवा

   (ब) संचारी भाव पर टिप्पणी लिखिए|

4. (अ) 'चौपाई' छंद को सोदाहरण समझाइए|

   अथवा

   (ब) छंद में वर्ण की गणना को समझाइए|

<u>भाग - स</u>

5. (अ) काव्य भेदों को विस्तारपूर्वक समझाइए|

अथवा

(ब) काव्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए|

6. (अ) रस के भेदों का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए|

अथवा

(ब) रस के अवयवों को समझाइए|

7. (अ) अलंकार की परिभाषा स्पष्ट करते हुए भ्रान्तिमान और संदेह अलंकार में अंतर बताइए|

अथवा

(ब) निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं पांच को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए:

i इन्द्रवज्रा

ii उपेंद्रवज्रा

iii मन्दाक्रान्ता

iv रोला

v सोरठा

vi मदिरा सवैया

रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A. Semester-VI (SUMMER-2019)

BAHN611 अर्वाचीन हिंदी काव्य-II

समय – तीन घंटा अधिकतम अंक – 80

Note:

1. भाग- अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं |प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग - ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग - स से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

भाग - अ

1. i रामधारी सिंह 'दिनकर' की दो रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए|

   ii 'बुद्धदेव' कविता में निहित संदेश लिखिए|

   iii कवि पंत पर किस दर्शन का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा?

   iv 'पल्लव' किस कवि की रचना है?

   v छायावाद की समय सीमा बताइए?

   vi प्रयोगवाद का प्रवर्तक किस कवि को माना जाता है?

   vii प्रथम तार-सप्तक किस वर्ष में प्रकाशित हुआ?

   viii हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा के सम्पूर्ण खण्डों के नाम लिखिए|

   ix 'अंधा युग' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए|

   x धर्मवीर भारती की दो रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए|

भाग - ब

2. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

   i जन्मा लेकर अभिशाप, हुआ और वरदानी,
   आया बन कर कंगाल, कहाया दानी,
   दे दिए मोल जो भी जीवन ने मांगे,
   सिर नहीं झुकाया कभी किसी के आगे|

   अथवा

   ii जगे हृदय को शीतल करने,
   पाली मीठी पीर|
   निज को डुबों सके निज में,
   मन हो इतना गम्भीर|

3. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

i न जाने कौन आये द्युतिमान!
जान मुझकों अबोध अज्ञान,
सुझाते हो तुम पथ अनजान|
फूँक देते छिद्रों में गान,
अहे सुख दुःख के सहचर मौन,
नहीं कह सकता तुम हो कौन?

अथवा

ii यह दीप अकेला स्नेह भरा,
है गर्व-भरा मदमाता, पर
इसको भी पंक्ति को दे दो|
यह जन है: गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गायेगा?
पनडुब्बा: ये मोती सच्चे फिर कौन कुति लायेगा?
यह समिधा: ऐसी आग हठीला बिरला सुलगायेगा|
यह अद्वितीय: यह मेरा: यह मैं स्वय विसर्जित|

4. **टिप्पणी लिखिए:**

i हरिवंश राय बच्चन का व्यक्तिगत व कृतित्व परिचय|

अथवा

ii धर्मवीर भारती के काव्य में भाव सौंदर्य|

<u>भाग - स</u>

5. i दिनकर को 'युग चारण' क्यों कहा जाता है? उन्होंने अपनी रचनाओं में जमींदारों के प्रति आवाज उठाई है कथन की पुष्टि कीजिए|

अथवा

ii रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता 'कुंती और कर्ण' पर प्रकाश डालिए|

6. i 'परिवर्तन' कविता में निहित सुमित्रानंदन 'पंत' के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए|

अथवा

ii पठित कविताओं के आधार पर 'अज्ञेय' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए|

7. i केदारनाथ अग्रवाल की कविताओ में प्रगतिवादी स्वरूप की समीक्षा कीजिए|

अथवा

ii हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा पर विस्तार से प्रकाश डालिए|

रोल न._____

प्रश्नपत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखना अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी|

B.A. Semester-VI (SUMMER-2019)

BAHN612 काव्यांग विवेचन एवं हिंदी गद्य विधाओं का स्वरुप - II

समय – तीन घंटा अधिकतम अंक – 80

नोट:

1. भाग– अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं | इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक **30** शब्दों तक सीमित हैं | प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है |
2. भाग – ब से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है |
3. भाग – स से प्रत्येक प्रश्न में से **(i) अथवा (ii)** का चयन करते हुए, कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500** शब्दों का हो | प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है |

<u>भाग – अ</u>

1. i 'लक्षणा शब्द शक्ति' से आप क्या समझते हैं?
   ii 'माधुर्य गुण' का उदाहरण दीजिए|
   iii काव्य गुणों के प्रकार बताते हुए नाम उल्लेख कीजिए|
   iv 'च्युतसंस्कृति दोष' से आप क्या समझते हैं?
   v पाठ्यक्रमानुसार कुल कितने काव्य दोष है? किन्हीं तीन के नाम लिखिए|
   vi 'अक्रमत्व दोष' से क्या तात्पर्य है?
   vii 'एकांकी' किसे कहते हैं?
   viii कोई दो आंचलिक उपन्यास के नाम लिखिए|
   ix कहानी एवं उपन्यास में क्या अंतर है?
   x आलोचना शब्द की व्युत्पत्ति और उसका व्युत्पतिपरक अर्थ स्पष्ट कीजिए|

<u>भाग – ब</u>

2. i अभिधा व व्यंजना में अंतर स्पष्ट कीजिए|

   अथवा

   ii 'प्रसादगुण' को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए|

3. i 'न्यून पदत्व' व 'अधिक पदत्व' काव्य दोष में अंतर स्पष्ट कीजिए|

   अथवा

   ii अप्रतीत्व व पुनरुक्तत्व काव्य दोष को उदाहरण सहित समझाइए|

4. i निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:
   (अ) कहानी और उपन्यास में अंतर
   (ब) नाटक

   अथवा

   ii निबंध का स्वरूप समझाइए|

<u>भाग – स</u>

5. i शब्द शक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए 'लक्षणा शब्द शक्ति' के भेद सोदाहरण समझाइए|

अथवा

ii काव्य गुण किसे कहते हैं एवं ये कितने होते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए|

6. i काव्य दोष एवं उसके भेद विषय पर एक आलोचनात्मक निबंध लिखिए|

अथवा

ii निम्नलिखित काव्य दोषों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए:

(अ) श्रुतिकटुत्व

(ब) ग्राम्यत्व

(स) अश्लीलत्व

(द) क्लिष्टत्व

(य) दुष्क्रमत्व

7. i हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए|

अथवा

ii हिन्दी के प्रमुख आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुल्क की आलोचना दृष्टि का परिचय देते हुए हिंदी आलोचना के क्षेत्र में उनके योगदान का मूल्यांकन कीजिए|